

डी एल एड BSTC

प्रवेश पूर्व परीक्षा

राजस्थान सामान्य ज्ञान

मानसिक योग्यता परीक्षण

हिन्दी

अंग्रेजी

शिक्षण अभिक्षमता

विगत वर्षों
के प्रश्न पत्र
हल सहित

सम्पूर्ण स्टडी गाइड

आसान, सटीक एवं

संपूर्ण अध्ययन

अब एक ही पुस्तक से !

विशेषताएँ:

1. सरल भाषा एवं व्यावहारिक उदाहरणों का संकलन
2. संपूर्ण पाठ्यक्रम एवं नवीनतम परीक्षा प्रणाली पर आधारित
3. परिक्षोपयोगी संभावित प्रश्नोत्तरों का संग्रह
4. NCERT एवं RBSE की पाठ्यपुस्तकों पर आधारित पाठ्यसामग्री

MRP : ₹720

सफलता के पथ पर सबसे तेज उभरता हुआ संस्थान

लक्ष्य क्लासेजTM

M. 6376957258, 6376491126

Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle,
Main Road, Udaipur

विषय वस्तु

01

राजस्थान का इतिहास

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	प्राचीन सभ्यताएँ	1 - 4
2.	राजवंश	5 - 38
3.	1857 की क्रान्ति	39 - 42
4.	जनजातीय एवं किसान आन्दोलन	43 - 47
5.	प्रजामण्डल आन्दोलन	48 - 52
6.	राजस्थान का एकीकरण	53 - 55
7.	प्रमुख व्यक्तित्व	55 - 63

02

राजस्थान की कला एवं संस्कृति

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	दुर्ग एवं महल	65 - 72
2.	हवेलियाँ, बावड़ियाँ एवं छतरियाँ	73 - 77
3.	मंदिर	77 - 80
4.	मकबरे, मस्जिद एवं दरगाह	81 - 82
5.	मेले एवं त्योहार	82 - 85
6.	चित्रकला	86 - 89
7.	लोककला एवं हस्तकला	89 - 92
8.	लोक देवी-देवता	92 - 98
9.	संत-सम्प्रदाय	99 - 105
10.	लोक नृत्य एवं नाट्य	105 - 111
11.	लोक संगीत एवं वाद्ययंत्र	111 - 119
12.	भाषा एवं साहित्य	119 - 125
13.	वेशभूषा एवं आभूषण	125 - 132
14.	रीति-रिवाज एवं प्रथाएँ	133 - 139
15.	राजस्थानी खानपान	139 - 143

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	स्थिति एवं विस्तार	145 - 147
2.	भौतिक प्रदेश	148 - 154
3.	जलवायु	155 - 160
4.	अपवाह प्रणाली	160 - 167
5.	सिंचाई परियोजनाएँ	168 - 171
6.	वन एवं वन्यजीव	172 - 177
7.	मृदा	177 - 179
8.	प्रमुख फसलें	179 - 182
9.	खनिज	183 - 191
10.	ऊर्जा संसाधन	191 - 195
11.	उद्योग	196 - 200
12.	पर्यटन एवं परिवहन	201 - 206
13.	जनगणना	206 - 210

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	कृषि एवं आर्थिक विकास	212 - 223
2.	विकास परियोजनाएँ	223 - 227
3.	हस्तशिल्प उद्योग	228 - 231

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	राज्यपाल	233 - 236
2.	मुख्यमन्त्री एवं मन्त्रिपरिषद्	237 - 241
3.	राज्य विधानसभा	241 - 246
4.	उच्च न्यायालय	246 - 249
5.	राज्य लोक सेवा आयोग	249 - 251
6.	राज्य निर्वाचन आयोग	251 - 252
7.	राज्य सूचना आयोग	253 - 254
8.	राज्य मानवाधिकार आयोग	255 - 256
9.	राज्य महिला आयोग	257 - 258
10.	लोकायुक्त	258 - 260
11.	जिला प्रशासन	260 - 264
12.	स्थानीय स्वशासन एवं पंचायती राज व्यवस्था	265 - 271

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	संख्या & अक्षर श्रृंखला	273 - 281
2.	लुप्त संख्या	282 - 288
3.	कोडिंग-डिकोडिंग	289 - 300
4.	रक्त सम्बन्ध	301 - 309
5.	दिशा परीक्षण	310 - 320
6.	घड़ी परीक्षण	321 - 328
7.	कैलेण्डर	329 - 335
8.	सादृश्यता	336 - 344
9.	वर्गीकरण या बेमेल को अलग करना	345 - 347
10.	वर्णमाला परीक्षण	348 - 353
11.	तार्किक वेन आरेख	354 - 359
12.	जल एवं दर्पण छवियाँ	360 - 365
13.	आकृतियों की गणना	365 - 372
14.	क्रम परीक्षण	373 - 379
15.	बैठक व्यवस्था एवं पहेली परीक्षण	380 - 386
16.	घन, घनाभ और पासा	387 - 397
17.	आयु परीक्षण	398 - 401
18.	विविध	402 - 406
19.	न्याय वाक्य	406 - 418
20.	कथन और निष्कर्ष	419 - 426
21.	कथन एवं तर्क	427 - 431
22.	कथन एवं कार्यवाही	432 - 436
23.	कथन एवं पूर्वधारणाएँ	437 - 439

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	शिक्षण अधिगम	441 - 454
2.	नेतृत्व गुण	455 - 461
3.	सृजनात्मकता	462 - 466
4.	सतत् एवं समग्र (व्यापक) मूल्यांकन	467 - 476
5.	संप्रेषण	476 - 481
6.	व्यावसायिक अभिवृत्ति	482 - 485
7.	सामाजिक संवेदनशीलता	486 - 493

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	हिन्दी का सामान्य परिचय	495 - 498
2.	वाक्य विचार	499 - 504
3.	संधि एवं संधि विच्छेद	505 - 519
4.	समास एवं समास विग्रह	520 - 527
5.	उपसर्ग	527 - 531
6.	प्रत्यय	532 - 542
7.	विलोम शब्द	542 - 553
8.	पर्यायवाची शब्द	553 - 558
9.	युग्म शब्द	559 - 564
10.	शब्द शुद्धि	565 - 570
11.	वाक्य शुद्धि	571 - 574
12.	मुहावरे	575 - 583
13.	लोकोक्तियाँ	584 - 592
14.	वाक्यांश के लिए एक सार्थक शब्द	592 - 597

S.No.	CHAPTER	PAGE NO.
1.	ARTICLES	599 – 602
2.	PREPOSITION	603 – 606
3.	CONNECTIVES (CONJUNCTIONS)	606 – 608
4.	SENTENCES	609 – 613
5.	TENSE	613 – 622
6.	DIRECT AND INDIRECT SPEECH	623 – 633
7.	VOCABULARY	634 – 648
8.	SYNONYMS	649 – 655
9.	ANTONYMS	655 – 660
10.	SPELLING ERRORS	660 – 661
11.	ONE WORD SUBSTITUTION	662 – 667
12.	READING COMPREHENSION	667 – 673

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	BSTC प्रश्न पत्र - 2024	675 – 684
2.	BSTC प्रश्न पत्र - 2023	684 – 692
3.	BSTC प्रश्न पत्र - 2022	693 – 702
4.	BSTC प्रश्न पत्र - 2021	702 – 713





राजस्थान का इतिहास



1

प्राचीन सभ्यताएँ

कालीबंगा सभ्यता

परिचय

- कालीबंगा राजस्थान राज्य के हनुमानगढ़ जिले का एक प्राचीन एवं ऐतिहासिक पुरातात्विक स्थल है। यहाँ सिंधु घाटी सभ्यता के महत्वपूर्ण अवशेष पाए गए हैं।
- कालीबंगा को कांस्य युगीन सभ्यता माना जाता है।
- कालीबंगा का शाब्दिक अर्थ 'काले रंग की चूड़ियाँ/काली चूड़ी' है। यहाँ मिली तांबे की काली चूड़ियों के कारण ही इस स्थान को 'कालीबंगा' कहा गया।

खोज एवं काल

- कालीबंगा प्राचीन सरस्वती नदी (वर्तमान में घग्घर) के बाएँ तट पर हनुमानगढ़ जिले में स्थित नगरीय सभ्यता थी।
- सर्वप्रथम इसकी खोज वर्ष 1952 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के निदेशक 'अमलानंद घोष' द्वारा सिंधु घाटी सभ्यता के स्थल के रूप में की गई थी।

नोट :- सरस्वती नदी का सर्वप्रथम उल्लेख ऋग्वेद के दसवें मण्डल में मिलता है। सरस्वती नदी का वर्तमान स्वरूप घग्घर नदी है। घग्घर नदी को दृषद्वती नदी, सोतर नदी, मृत नदी, लेटी हुई नदी, राजस्थान का शोक भी कहा जाता है।

- कार्बन डेटिंग पद्धति के अनुसार कालीबंगा सभ्यता का समय 2350 ई.पू. से 1750 ई.पू. माना जाता है।

उत्खनन कार्य

- कालीबंगा में वर्ष 1961-1969 तक बी. बी. लाल तथा बी.के. थापर व जे.वी. जोशी के निर्देशन में उत्खनन कार्य किया गया।
- कालीबंगन में उत्खनन पाँच स्तरों में किया गया था, जिसे कालीबंगन I से V के रूप में पहचाना गया।
- कालीबंगा से पूर्व हड़प्पाकालीन, हड़प्पाकालीन तथा उत्तर-हड़प्पाकालीन अवशेष प्राप्त हुए हैं।
- कालीबंगा में वर्तमान समय में तीन टीले प्राप्त हुए हैं-
KLB1 - पश्चिम में छोटा
KLB2 - मध्य में बड़ा
KLB3 - पूर्व में सबसे छोटा
- कालीबंगा के टीलों पर किए गए उत्खनन कार्य में पश्चिम में स्थित पहला टीला छोटा एवं अपेक्षाकृत ऊँचा है तथा पूर्व में स्थित दूसरा टीला अपेक्षाकृत बड़ा एवं नीचा है।

महत्वपूर्ण तथ्य

- डॉ. दशरथ शर्मा ने कालीबंगा को सैधव सभ्यता की तीसरी राजधानी कहा है।
ध्यातव्य है कि सिंधु सभ्यता की पहली राजधानी हड़प्पा तथा दूसरी मोहनजोदड़ो को माना गया है।
- कालीबंगा देश का तीसरा सबसे बड़ा पुरातात्विक स्थल है। देश के दो बड़े पुरातात्विक स्थलों में राखीगढ़ी (हरियाणा) एवं धौलावीरा (गुजरात) है।
- कालीबंगा को 'दीन-हीन बस्ती' भी कहा जाता है।

- कालीबंगा में मातृसत्तात्मक परिवार की व्यवस्था विद्यमान थी।
- पाकिस्तान के कोटदीजी नामक स्थान पर प्राप्त पुरातात्विक अवशेष कालीबंगा के अवशेषों से काफी मिलते-जुलते हैं।
- संस्कृत साहित्य में कालीबंगा को 'बहुधान्यदायक क्षेत्र' कहा जाता था।
- कालीबंगा सैधव सभ्यता का एकमात्र ऐसा स्थल है जहाँ से मातृदेवी की मूर्तियाँ प्राप्त नहीं हुई हैं।
- वर्ष 1961 में कालीबंगा अवशेष पर भारत सरकार द्वारा 90 पैसे का डाक टिकट जारी किया गया।
- राज्य सरकार द्वारा कालीबंगा से प्राप्त पुरा अवशेषों के संरक्षण हेतु वर्ष 1985-86 में एक संग्रहालय की स्थापना की गई।

पुरातात्विक खोज एवं सामग्रियाँ

- विश्व में सर्वप्रथम भूकम्प के साक्ष्य कालीबंगा से ही मिले हैं।
- विश्व में सर्वप्रथम लकड़ी की नाली के अवशेष कालीबंगा से प्राप्त हुए हैं।
- कालीबंगा से उत्खनन में दोहरे जुते हुए खेत के अवशेष प्राप्त हुए हैं जो विश्व में जुते हुए खेत के प्राचीनतम प्रमाण हैं।
- कालीबंगा में समकोण दिशा में जुते हुए खेत के साक्ष्य और ग्रिड पैटर्न की गर्तधारियों के निशान मिले हैं।
- यहाँ से एक ही समय में दो फसलें उगाने के प्रमाण प्राप्त हुए हैं जिसमें गेहूँ तथा जौ एक साथ बोये जाते थे।
- कालीबंगा से कपालछेदन क्रिया का प्रमाण मिलता है।
- कालीबंगा से कलश शवदान के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।
- ऐसा माना जाता है कि यहाँ अंत्येष्टि संस्कार की तीन विधियाँ प्रचलित थीं, जिसमें पूर्व समाधीकरण, आंशिक समाधीकरण और दाह संस्कार के साक्ष्य मिले हैं।
- कालीबंगा क्षेत्र से मिट्टी से बना कुत्ता, भेड़िया, चूहा और हाथी की प्रतिमाएँ मिली हैं।
- कालीबंगा के नगरों की सड़कें समकोण पर काटती थी।
- यहाँ के लोग कच्ची ईंटों से बने मकानों में रहते थे तथा मकानों की नालियाँ, शौचालय तथा कुछ संरचनाओं में पक्की ईंटों का प्रयोग किया गया है।
- कालीबंगा में एक दुर्ग, बेलनाकार मुहरें, ताँबे का बैल, जुते हुए खेत, सड़कें तथा मकानों के अवशेष प्राप्त हुए हैं।
- कालीबंगा से सात अग्निवेदिकाएँ प्राप्त हुई हैं।
- कालीबंगा में मकानों से गन्दे पानी को निकालने के लिए लकड़ी की नालियों का प्रयोग किया जाता था।
- यहाँ से बच्चे की खोपड़ी मिली है जिसमें छह छेद हैं जिसमें जल कपाली या मस्तिष्क शोध की बीमारी का पता चलता है।
- कालीबंगा से मेसोपोटामिया की मिट्टी से निर्मित मुहर प्राप्त हुई है।
- कालीबंगा सभ्यता की लिपि सैन्धवकालीन लिपि (ब्रुस्ट्रोफेदन लिपि) के समान थी, जो दाएँ से बाएँ की ओर लिखी जाती थी। इस लिपि को अभी तक नहीं पढ़ा जा सका है।
- राजस्थान में कालीबंगा से विशाल सांडों की जुड़वाँ पैरों वाली मिट्टी की मूर्ति मिली है।

आहड़ सभ्यता
परिचय

- आहड़ उदयपुर नगर/मेवाड़ क्षेत्र के पूर्व में बहने वाली आयड़/बेड़च नदी के तट पर स्थित एक पुरातात्विक स्थल है, जिसका विकास बनास नदी घाटी में माना जाता है।
- आहड़ ताम्रयुगीन सभ्यता है, जो लगभग 4000 वर्ष पूर्व की सभ्यता मानी जाती है।
- दसवीं-ग्यारहवीं शताब्दी में इसे आघाटपुर या आघट दुर्ग के नाम से जाना जाता था। इसे प्राचीनकाल में ताम्रवती नगरी भी कहा जाता था। वर्तमान में इसका नाम धूलकोट है।
- डॉ. सांकलिया ने इसे 'आहड़ या बनास संस्कृति' कहा है।
- आहड़ एक ग्रामीण सभ्यता थी।

खोज एवं काल

- आहड़ सभ्यता की खोज वर्ष 1953 में पं. अक्षय कीर्ति व्यास के नेतृत्व में की गई थी।
- डॉ. गोपीनाथ शर्मा ने आहड़ सभ्यता का समृद्ध काल 1900 ई. पू. से 1200 ई.पू. तक माना है।
- कार्बन-14 वैज्ञानिक पद्धति के अनुसार आहड़ सभ्यता का काल 2000 ई. पू. से 1200 ई. पू. के मध्य माना जाता है।

उत्खनन कार्य

- आहड़ सभ्यता पर सर्वप्रथम लघु स्तर पर उत्खनन कार्य पं. अक्षय कीर्ति व्यास द्वारा किया गया।
- वर्ष 1954 में रतन चंद्र अग्रवाल के नेतृत्व यहाँ पर व्यापक स्तर पर उत्खनन कार्य करवाया गया। आर.सी. अग्रवाल ने आहड़ के पास दूरमतून एवं उमरा नामक स्थानों से ताम्र शोधन के साक्ष्य प्राप्त किए हैं।
- वर्ष 1961-62 में यहाँ वी. एन. मिश्रा एवं एच. डी. सांकलिया द्वारा यहाँ उत्खनन करवाया गया।
- आहड़ के उत्खनन अभियान के समय राजस्थान सरकार की ओर से विजय कुमार एवं पी. सी. चक्रवर्ती भी उपस्थित रहे।

महत्त्वपूर्ण तथ्य

- आहड़ के उत्खनित स्थल को महासत्तियों का टीला कहा जाता है।
- गिलुण्ड (राजसमन्द) से आहड़ के समान धर्म संस्कृति मिली है।
- आहड़वासी ताम्रधातु कर्मी थे।
- आहड़ के लोग मृतकों को कपड़ों एवं आभूषण के साथ गाड़ते थे।
- आहड़वासी लाल एवं काले रंग के मृदपात्रों का उपयोग करते थे।
- आहड़वासी धूप में सुखाई गई कच्ची ईंटों से मकानों का निर्माण करते थे।
- आहड़वासी कृषि (चावल की खेती) एवं पशुपालन (कुत्ता, हाथी आदि) से परिचित थे।
- यहाँ के लोगों का प्रमुख व्यवसाय था।
- आहड़ से प्राप्त एक ही मकान में 4 से 6 चूल्हों का प्राप्त होना जिस पर एक मानव हथेली की छाप है एवं संयुक्त परिवार व्यवस्था की ओर संकेत करते हैं।
- आहड़ सभ्यता के लोग मिट्टी के बर्तन पकाने की उल्टी तिपाई विधि से परिचित थे।

पुरातात्विक सामग्रियाँ

- आहड़ से प्राप्त पुरातात्विक सामग्रियों में प्रमुख-
 1. नारी की खण्डित मृणमूर्ति
 2. छपाई के ठप्पे
 3. अनाज पीसने की चक्की
 4. चित्रित बर्तन एवं ताँबे के उपकरण
 5. दो ताँबे की कुल्हाड़ियाँ
 6. ताँबे की छह मुद्राएँ तथा तीन मुहरें
 7. एक मुद्रा जिसके एक ओर त्रिशूल तथा दूसरी ओर अपोलो देवता का चित्रण है तथा यूनानी भाषा में लेख भी अंकित है।
 8. अनाज रखने के मृद्भांड, जिन्हें स्थानीय भाषा में 'गोरे' या 'कोठे' कहा जाता है।
 9. मिट्टी की बनी टेराकोटा वृषभ आकृतियाँ

गणेश्वर सभ्यता
परिचय

- गणेश्वर सभ्यता नीमकाथाना क्षेत्र में रैवासा गाँव की खंडेला पहाड़ियों में स्थित ताम्रयुगीन संस्कृति का महत्त्वपूर्ण स्थल है।
- गणेश्वर सभ्यता कांतली नदी के किनारे विकसित प्राक् हड़प्पा कालीन सभ्यता मानी जाती है।
- गणेश्वर को 'पुरातत्व का पुष्कर' भी कहा जाता है।

खोज-उत्खनन कार्य एवं काल

- रेडियोकार्बन विधि के आधार पर इस स्थल की तिथि 2800 ईसा पूर्व निर्धारित की गई।
- गणेश्वर सभ्यता की खोज एवं सर्वप्रथम उत्खनन कार्य वर्ष 1977 में रतनचंद्र अग्रवाल द्वारा किया गया।
- इस सभ्यता स्थल पर व्यापक उत्खनन कार्य वर्ष 1978-79 में विजय कुमार द्वारा करवाया गया।

महत्त्वपूर्ण तथ्य

- गणेश्वर को भारत में 'ताम्रयुगीन सभ्यताओं की जननी' तथा 'ताम्र संचयी संस्कृति' भी कहा जाता है।
- भारत में पहली बार किसी स्थान से इतनी मात्रा में ताम्र उपकरण प्राप्त हुए हैं।
- गणेश्वर सभ्यता के लोग संभवतः ताँबा खेतड़ी व अलवर की खो-दरीबा खान से प्राप्त करते थे।
- यहाँ से प्राप्त ताँबे के उपकरणों व पात्रों में 99 प्रतिशत ताँबा है, जो इस क्षेत्र में ताँबे की प्रचुर प्राप्ति का प्रमाण है।

पुरातात्विक अवशेष

- गणेश्वर के उत्खनन से लगभग 2000 ताम्र आयुध व ताम्र उपकरण प्राप्त हुए हैं, जिनमें तीर, भाले, सूइयाँ, कुल्हाड़ी, मछली पकड़ने के कांटे आदि शामिल हैं।
- गणेश्वर में बस्ती को बाढ़ से बचाने हेतु वृहदाकार पत्थर के बाँध बनाने के प्रमाण।
- ताँबे का बाण एवं मछली पकड़ने का कांटा।
- काले व नीले रंग के कपिषवर्णी मृदपात्र।
- गणेश्वर से मिट्टी के छल्लेदार बर्तन भी प्राप्त हुए हैं।
- मिट्टी के छल्लेदार बर्तन, जो केवल गणेश्वर में ही प्राप्त हुए हैं।
- दोहरी पेचदार शिरेवाली ताम्रपिन।

बालाथल सभ्यता

परिचय

- उदयपुर जिले की वल्लभनगर तहसील के बालाथल गाँव के पास बनास या बेड़च नदी के निकट एक टीले के उत्खनन से ताम्र-पाषाणकालीन सभ्यता के अवशेष प्राप्त हुए हैं।
- यहाँ के उत्खनन से प्राप्त मृद्भाण्डों, ताँबे के औजारों और मकानों पर सिंधु घाटी सभ्यता का प्रभाव दिखाई देता है, जिससे इस सभ्यता से इसके संपर्क के पुख्ता प्रमाण प्राप्त होते हैं।
- बालाथल में 1800 ईसा पूर्व के लगभग ताम्र पाषाणिक सभ्यता तथा 600 ईसा पूर्व के लगभग लौहयुगीन सभ्यता के आबाद होने का पुरातत्वशास्त्रियों का अनुमान है।

खोज एवं उत्खनन कार्य

- इस सभ्यता की खोज वर्ष 1962-63 में डॉ. वी. एन. मिश्र द्वारा की गई।
- वर्ष 1993 में डॉ. वी. एस. शिंदे, आर. के. मोहन्ते, डॉ. देव कोठारी एवं डॉ. ललित पाण्डे ने इस सभ्यता का उत्खनन किया था।

महत्वपूर्ण तथ्य

- बालाथल में उत्खनन से एक 11 कमरों के विशाल भवन के अवशेष मिले हैं।
- यहाँ से लोहा गलाने की पाँच भट्टियों के अवशेष प्राप्त हुए हैं।
- यहाँ के लोग बर्तन बनाने तथा कपड़ा बुनने के बारे में जानकारी रखते थे।
- यहाँ से पाँचवीं सदी ईसा पूर्व का हाथ से बुना कपड़े का टुकड़ा प्राप्त हुआ है।
- पत्थर के मनके, पक्की मिट्टी की मूर्तियाँ, पशु आकृतियाँ, ताँबे के औजार।
- बालाथल के उत्खनन में मिट्टी से बनी सांड की आकृतियाँ मिली हैं।
- बालाथल निवासी मांसाहारी भी थे।
- यहाँ से 4000 वर्ष पुराना कंकाल मिला है जिसको भारत में कुष्ठ रोग का सबसे पुराना प्रमाण माना जाता है।
- यहाँ से योगी मुद्रा में शवाधान का प्रमाण प्राप्त हुआ।
- बालाथल में अधिकांश आभूषण व उपकरण ताँबे के बने प्राप्त हुए हैं।
- यहाँ के लोग कृषि, शिकार तथा पशुपालन आदि से परिचित थे।
- बालाथल से प्राप्त बैल व कुत्ते की मृण्मूर्तियाँ विशेष उल्लेखनीय हैं।

बैराठ सभ्यता

परिचय

- बैराठ जयपुर जिले में शाहपुरा उपखण्ड में बाणगंगा नदी के किनारे स्थित लौहयुगीन स्थल है।
- प्राचीन मत्स्य जनपद में स्थित बैराठ की बीजक की पहाड़ी, भीम की झूंगरी व महादेव जी की झूंगरी से हड़प्पा सभ्यता व मौर्यकाल के अवशेष प्राप्त हुए हैं।
- बैराठ का प्राचीन नाम 'विराटनगर' था। महाजनपद काल में यह मत्स्य जनपद की राजधानी था।

खोज एवं उत्खनन कार्य

- बैराठ सभ्यता की खोज वर्ष 1922 में दयाराम साहनी के नेतृत्व में की थी।
- यहाँ पर दो स्तरों में प्रथम वर्ष 1936-37 में दयाराम साहनी द्वारा तथा वर्ष 1962-63 में नीलरत्न बनर्जी तथा कैलाशनाथ दीक्षित द्वारा उत्खनन कार्य किया गया।
- बैराठ सभ्यता के लोगों का जीवन पूर्णतः ग्रामीण संस्कृति का था।

बैराठ सभ्यता की मुख्य विशेषताएँ

- यहाँ से मौर्यकालीन तथा इसके बाद के समय के अवशेष मिले हैं।
- उत्तर भारतीय चमकीले मृद्भांड वाली संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाला राजस्थान में सबसे महत्वपूर्ण प्राचीन स्थल बैराठ है।
- बैराठ सभ्यता के लोग लौह धातु से परिचित थे। यहाँ उत्खनन से लोहे के तीर तथा भाले प्राप्त हुए हैं।
- यह सभ्यता स्थल प्राचीन बौद्ध अवशेषों के लिए प्रसिद्ध है।
- 7वीं सदी में चीनी यात्री ह्वेनसांग ने यहाँ की यात्रा की थी। उसने यहाँ 8 बौद्ध मठों का उल्लेख किया।
- बैराठ से 'शंख लिपि' के प्रमाण प्रचुर मात्रा में प्राप्त हुए हैं।
- यहाँ से मुगलकाल में टकसाल होने के प्रमाण मिलते हैं। यहाँ मुगल काल में ढाले गये सिक्कों पर 'बैराठ अंकित' मिलता है।
- यहाँ भवन निर्माण के लिए मिट्टी की बनाई ईंटों का प्रयोग अधिक किया जाता था।

पुरातात्विक अवशेष

- यहाँ से 36 मुद्राएँ प्राप्त हुई हैं जिनमें 8 पंचमार्क चाँदी की तथा 28 इण्डो-ग्रीक तथा यूनानी शासकों की हैं, जिनमें 16 मुद्राएँ यूनानी शासक मिनेण्डर की हैं।
- वर्ष 1999 में बीजक की पहाड़ी से अशोक कालीन गोल बौद्ध मंदिर, स्तूप एवं बौद्ध मठ के अवशेष मिले हैं जो हीनयान सम्प्रदाय से संबंधित है।
- बैराठ में पाषाणकालीन हथियारों के निर्माण का एक बड़ा कारखाना स्थित था।
- बैराठ के उत्खनन से मिट्टी के बने पूजा पात्र, थालियाँ, लोटे, मटके, खप्पर, कुंडियाँ, घड़े आदि मिले हैं।
- बैराठ की बीजक पहाड़ी से 1837 ई. में कैप्टन बर्ट को बैराठ की बीजक पहाड़ी से मौर्य सम्राट अशोक के भाबू शिलालेख प्राप्त हुआ, जिस पर मौर्य कालीन ब्राह्मी लिपि उत्कीर्ण है।

भाबू शिलालेख

- वर्तमान में भाबू शिलालेख कलकत्ता संग्रहालय (एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल) में सुरक्षित है।
- भाबू शिलालेख में सम्राट अशोक को 'मगध का राजा' नाम से संबोधित किया गया है।
- भाबू शिलालेख के नीचे बुद्ध, धम्म एवं संघ लिखा हुआ है।

बागौर सभ्यता

- भीलवाड़ा में कोठारी नदी के किनारे स्थित है।
- उत्खननकर्ता - वीरेन्द्र नाथ मिश्र
- यहाँ से कृषि तथा पशुपालन के प्राचीनतम साक्ष्य यहाँ मिले हैं।
- लघु पाषाणकालीन औजारों के भंडार प्राप्त हुए हैं।
- यहाँ से छेद वाली सुई प्राप्त हुई है।

अभ्यास प्रश्न

- ताम्रवती नगरी के नाम से विख्यात पुरास्थल जिसे धूलकोट के नाम से भी पुकारा जाता है-
(a) बैराठ (b) आहड़
(c) गणेश्वर (d) बालाथल
- राजस्थान की वह सभ्यता जिसे ताम्रयुगीन सभ्यता की जननी कहा जाता है-
(a) आहड़ (b) गणेश्वर
(c) नोह (d) बैराठ
- यूनानी राजा मिनान्डर की मुद्राएँ तथा इण्डोग्रीक यूनानी शासकों के सिक्के प्राप्त हुए हैं-
(a) कालीबंगा (b) बैराठ
(c) आहड़ (d) गणेश्वर
- 'भीम डूंगरी' और 'गणेश डूंगरी' राजस्थान की किस सभ्यता से सम्बन्धित है?
(a) गणेश्वर (b) बैराठ
(c) आहड़ (d) कालीबंगा
- प्राचीन स्थल एवं उत्खननकर्ता में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?
(a) कालीबंगा - अमलानंद घोष
(b) बैराठ - केदारनाथपुरी
(c) आहड़ - एच. डी. सांकलिया
(d) बागोर - वी. एन. मिश्रा
- निम्नलिखित में से किस स्थल से इंडो-ग्रीक शासकों के 28 सिक्के प्राप्त हुए हैं-
(a) नगरी (b) बैराठ
(c) नगर (d) रैठ
- आकर कलर पात्र शैली के प्रमाण कहाँ से प्राप्त हुए?
(a) कालीबंगा (b) बैराठ
(c) आहड़ (d) गणेश्वर
- राजस्थान में अशोक का अभिलेख कहाँ प्राप्त हुआ था?
(a) बड़ली (b) बरनाला
(c) बैराठ (d) बुचकला
- गणेश्वर पुरास्थल किस नदी के किनारे स्थित है?
(a) चम्बल (b) लूणी
(c) कांतली (d) बनास
- निम्नलिखित में से कौन-सा स्थल प्राचीन मत्स्य महाजनपद की राजधानी था?
(a) बैराठ
(b) बयाना
(c) गरदड़ा
(d) नगरी
- निम्नलिखित में से कौन-सी सभ्यता बनास संस्कृति/सभ्यता के नाम से जानी जाती थी?
(a) बागोर
(b) बालाथल
(c) आहड़
(d) बैराठ

- राजस्थान में स्थित हड़प्पाकालीन स्थल कालीबंगा में पुरातात्विक उत्खनन कार्य कब प्रारम्भ हुआ था?
(a) वर्ष 1961 (b) वर्ष 1962
(c) वर्ष 1969 (d) वर्ष 1970
- कालीबंगा सभ्यता के संदर्भ में गलत कथन का चयन कीजिए-
(a) कालीबंगा के लोग ग्रिड पैटर्न प्रणाली के आधार पर कृषि कार्य को अपनाते थे।
(b) कालीबंगा सभ्यता के लोग मृत शरीर को दफनाने पर कुण्डल व दर्पण साथ रखते थे।
(c) यह सभ्यता ग्रामीण सभ्यता के रूप में विकसित हुई।
(d) कालीबंगा सभ्यता के लोग शल्य चिकित्सा पद्धति से परिचित थे।
- बौद्ध धर्म से संबंधित पुरातात्विक अवशेष कहाँ मिले हैं?
(a) बैराठ (b) नगर
(c) नलियासर (सांभर) (d) कालीबंगा
- डॉ. दयाराम साहनी ने सर्वप्रथम बैराठ के किस स्थान को उत्खनन के लिए चिह्नित किया?
(a) बीजक डूंगरी (b) भोमजी डूंगरी
(c) गणेश डूंगरी (d) भीम डूंगरी
- राजस्थान की किस सभ्यता को प्रसाधन सौन्दर्य-प्रेमी सभ्यता के नाम से जाना जाता है?
(a) आहड़ (b) कालीबंगा
(c) बैराठ (d) पीलीबंगा
- गणेश्वर सभ्यता किस काल से सम्बन्धित है-
(a) हड़प्पा काल (b) लौह युग
(c) ताम्र / काँस्य युग (d) पुरापाषाण काल
- निम्नलिखित में से किस सभ्यता में मकान व बस्तियों के निर्माण में ईंटों का प्रयोग नहीं होता था?
(a) आहड़ (b) कालीबंगा
(c) गणेश्वर (d) बैराठ
- बैराठ प्राचीन काल में राजधानी थी-
(a) मत्स्य राज्य की (b) चेदि राज्य की
(c) चोल राज्य की (d) अर्जुनायन राज्य की
- दयाराम साहनी, नील रत्न बनर्जी एवम केलाशनाथ दीक्षित की किस सभ्यता के उत्खनन में मुख्य भूमिका रही?
(a) आहड़ (b) बैराठ
(c) गिलुण्ड (d) बागोर

ANSWER KEY

1. [b]	2. [b]	3. [b]	4. [b]	5. [b]
6. [b]	7. [b]	8. [c]	9. [c]	10. [a]
11. [c]	12. [a]	13. [c]	14. [a]	15. [a]
16. [b]	17. [c]	18. [c]	19. [a]	20. [b]

♦ ♦ ♦ ♦

2

राजवंश

गुर्जर-प्रतिहार राजवंश

- राजस्थान के दक्षिण पश्चिम में गुर्जरात्रा प्रदेश में प्रतिहार वंश की स्थापना हुई।
- प्रतिहार शब्द का अर्थ 'द्वारपाल' है, क्योंकि प्रतिहारों ने अरब आक्रमणकारियों से भारत की रक्षा की।
- अतः इनकी तुलना मौर्य व गुप्त राजाओं से भी की जा सकती है।
- प्रतिहार स्वयं को लक्ष्मण के वंशज सूर्यवंशी/रघुवंशी मानते हैं क्योंकि लक्ष्मण राम के प्रतिहार(द्वारपाल) थे, अतः यह वंश प्रतिहार कहलाया।
- गुर्जर-प्रतिहारों का शासन छठी से दसवीं शताब्दी तक जोधपुर के मण्डोर व जालोर के भीनमाल क्षेत्र में रहा था, इन्होंने बाद में उज्जैन व कन्नौज को अपनी शक्ति का केन्द्र बनाया।
- गुर्जर-प्रतिहारों ने लगभग 200 सालों तक अरब आक्रमणकारियों का प्रतिरोध किया।
- डॉ. आर. सी. मजूमदार के अनुसार गुर्जर-प्रतिहारों ने छठी से 11वीं शताब्दी तक अरब आक्रमणकारियों के लिए बाधक का कार्य किया।
- उत्तर-पश्चिम भारत में गुर्जर-प्रतिहार वंश का शासन छठी से बारहवीं सदी तक रहा था।
- बादामी के चालुक्य नरेश 'पुलकेशिन-द्वितीय' के 'एहोल अभिलेख' में गुर्जर जाति का उल्लेख सर्वप्रथम हुआ है।
- चंदेल वंश के शिलालेख में गुर्जर-प्रतिहार शब्द का उल्लेख मिलता है।
- छठी शताब्दी के द्वितीय चरण में उत्तर-पश्चिम भारत में एक नए राजवंश की स्थापना हुई, जो 'गुर्जर-प्रतिहार वंश' कहलाया।
- नीलकुंड, राधनपुर, देवली तथा करडाह शिलालेख में प्रतिहारों को गुर्जर कहा गया है।
- स्कन्द पुराण के पंच द्रविड़ों में गुर्जरो का उल्लेख मिलता है।
- अरब यात्रियों ने इन्हें 'जुर्ज' कहा है। अलमसूदी ने गुर्जर-प्रतिहार को 'अल गुर्जर' और राजा को 'बोरा' कहा है।
- मिहिरभोज के ग्वालियर अभिलेख में नागभट्ट को राम का प्रतिहार एवं विशुद्ध क्षत्रिय कहा है।
- मुहणोत नैणसी ने गुर्जर-प्रतिहारों की '26 शाखाओं' का वर्णन किया, जिनमें- मंडोर, जालोर, राजोगढ़, कन्नौज, उज्जैन और भड़ौच के गुर्जर-प्रतिहार बड़े प्रसिद्ध रहे थे।
- मारवाड़ में छठी शताब्दी ईस्वी में 'हरिश्चन्द्र' (रोहिलद्धि) नामक ब्राह्मण ने मंडोर को अपनी राजधानी बनाकर गुर्जर-प्रतिहार वंश की स्थापना की।
- हरिश्चन्द्र को गुर्जर-प्रतिहारों का 'आदिपुरुष' कहा गया है।
- गुर्जर-प्रतिहारों को भारत का 'द्वारपाल' कहा जाता है।
- गुर्जर-प्रतिहारों का प्रभाव केन्द्र मारवाड़ था।
- बाणभट्ट ने अपनी पुस्तक 'हर्षचरित' में गुर्जरो का वर्णन किया है।

- प्रतिहार राजवंश महामारू मंदिर निर्माण वास्तुशैली का संरक्षक था।
- डॉ. भंडारकर ने गुर्जर-प्रतिहारों को खिज्रों की संतान बताकर विदेशी साबित किया है।
- डॉ. गौरीशंकर ओझा प्रतिहारों को क्षत्रिय मानते हैं।

मण्डोर के प्रतिहार

- गुर्जर प्रतिहारों की 26 शाखाओं में से यह शाखा सबसे प्राचीन और महत्वपूर्ण थी।
- डॉ. आर. सी. मजूमदार के अनुसार प्रतिहार शब्द का प्रयोग मण्डोर की प्रतिहार जाति के लिए हुआ है क्योंकि प्रतिहार अपने आप को लक्ष्मण जी का वंशज मानते थे।
- गुर्जर-प्रतिहारों की प्रारंभिक राजधानी मण्डोर थी।
- गुर्जर-प्रतिहारों की शाखाओं में सबसे प्राचीन एवं महत्वपूर्ण मण्डोर के प्रतिहार थे। मंडोर के प्रतिहार क्षत्रीय माने जाते हैं।
- घटियाला शिलालेख में मण्डोर के प्रतिहार वंश की प्रारंभिक स्थिति व वंशावली मिलती है।

हरिश्चंद्र

- हरिश्चंद्र को प्रतिहार वंश का संस्थापक माना जाता है। हरिश्चंद्र को प्रतिहारों का गुरु/गुर्जर प्रतिहारों का आदि पुरुष/ गुर्जर-प्रतिहारों का मूल पुरुष कहते हैं।
- हरिश्चंद्र की दो पत्नियों में से एक ब्राह्मण तथा दूसरी क्षत्रिय पत्नी थी। क्षत्रिय पत्नी का नाम भद्रा था।
- घटियाला शिलालेख के अनुसार हरिश्चन्द्र नामक ब्राह्मण की पत्नी भद्रा से चार पुत्र भोगभट्ट, कदक, रज्जिल और दह उत्पन्न हुए।
- हरिश्चन्द्र के चारों पुत्रों ने माण्डव्यपुर (मण्डोर) को जीता तथा इसके चारों ओर परकोटा बनवाया।
- मण्डोर के प्रतिहार वंश की वंशावली हरिश्चन्द्र के तीसरे पुत्र रज्जिल से शुरू होती है।

रज्जिल

- रज्जिल ने मंडोर के आस-पास के क्षेत्रों को जीतकर अपने राज्य का विस्तार किया तथा मण्डोर को जीतकर अपने राज्य की राजधानी बनाया।

नरभट्ट

- चीनी यात्री ह्वेनसांग ने नरभट्ट का उल्लेख 'पेल्लोपेल्ली' नाम से किया है, जिसका शाब्दिक अर्थ साहसिक कार्य करने वाला होता है।
- यह रज्जिल का पुत्र था जो रज्जिल का उत्तराधिकारी बना।
- नरभट्ट की रणकुशलता के कारण इनको अभिलेखों में 'पिल्लापल्ली' के नाम (उपाधि) से पुकारा गया है।

नागभट्ट-प्रथम

- यह नरभट्ट का पुत्र व रज्जिल का पौत्र था जो एक प्रतापी शासक था।
- नागभट्ट-प्रथम को नाहड़ के नाम से पुकारा जाता था।
- घटियाला शिलालेख के अनुसार नागभट्ट-प्रथम ने मण्डोर राज्य की पूर्वी सीमा का विस्तार कर अपनी राजधानी 'मेड़ान्तक (मेड़ता)' को बनाई।

- ग्वालियर प्रशस्ति में इसे 'नारायण' और 'मलेच्छों का नाशक' भी कहा गया है।

यशोवर्धन

- यह नागभट्ट-प्रथम के पुत्र तात का पुत्र था।
- राजोली ताम्रपत्र के अनुसार इसके समय पृथुवर्धन ने गुर्जर-प्रतिहार राज्य पर आक्रमण किया था लेकिन असफल रहा था।

शिलूक

- यह गुर्जर-प्रतिहार राजा यशोवर्धन के पुत्र चन्दुक का पुत्र था।
- घटियाला शिलालेख के अनुसार शिलूक ने देवराज भाटी से युद्ध किया तथा देवराज भाटी को मारकर उनके राज्य चिह्न व छत्र को छीन लिया था।

कक्क

- कक्क ने मुदागिरी (मुंगेर, बिहार) में गौड़ राजा धर्मपाल को पराजित किया था।
- कक्क की पत्नी पद्मिनी से उत्पन्न पुत्र बाउक था तथा कक्क की दूसरी पत्नी दुर्लभदेवी से उत्पन्न पुत्र कक्कुक था।

बाउक

- कक्क की मृत्यु के पश्चात् इनका उत्तराधिकारी बाउक हुआ था।
- बाउक ने मयूर नामक राजा के आक्रमण को विफल किया तथा इस विजय के उपलक्ष्य में मण्डोर शिलालेख उत्कीर्ण करवाया था।

कक्कुक

- बाउक के बाद उसका भाई कक्कुक राजा बना।
- इनके समय घटियाला के दो शिलालेख उत्कीर्ण हुए थे।
- इसने आभीरों का आक्रमण विफल कर इसकी विजय के उपलक्ष्य में रोहिसकूप व मण्डोर में विजय स्तम्भ का निर्माण करवाया था।
- घटियाला के शिलालेखों में कक्कुक को मरु, वल्ल, गुर्जरात्रा, मांड (जैसलमेर), अज्ज (मध्य प्रदेश) व तृवणी आदि राज्यों में ख्याती फैलाने वाला राजा कहा गया है।
- कक्कुक ने वट्टनानक (बेड़ा-नाणा) नामक नगर बसाया था।
- मण्डोर की इन्दा प्रतिहार शाखा ने हमीर परिहार से परेशान होकर चूंडा राठौड़ को 1395 ई. में मण्डोर दहेज में दे दिया था।
- इस घटना के बाद मण्डोर में प्रतिहार राजवंश का विस्तार समाप्त हो गया था।

जालोर, कन्नौज व उज्जैन के गुर्जर प्रतिहार वंश

- नागभट्ट-प्रथम से जालोर प्रतिहार वंश का आरम्भ होता है।
- यहाँ के गुर्जर प्रतिहार रघुवंशी प्रतिहार कहलाते हैं।
- इस प्रतिहार वंश का उद्भव भी मण्डोर प्रतिहार शाखा से माना जाता है।
- चीनी यात्री ह्वेनसांग अपने यात्रा वृत्तांत सी-यू-की में कु-चे-लो (गुर्जर) देश का उल्लेख करता है, जिसकी राजधानी पि-लो-मो-लो (भीनमाल) में थी।

भीनमाल (जालोर) शाखा

- रघुवंशी प्रतिहारों ने चावडों से प्राचीन गुर्जर देश छीन लिया और अपनी राजधानी भीनमाल को बनाया। भीनमाल शाखा के प्रतिहारों के उत्पत्ति के विषय में जानकारी ग्वालियर प्रशस्ति से मिलती है, जो प्रतिहार शासक भोज प्रथम के समय उत्कीर्ण हुई।

- प्रसिद्ध कवि राजशेखर के ग्रंथों से भी भीनमाल के प्रतिहारों की जानकारी मिलती है।

नागभट्ट-प्रथम (730-760 ई.)

- नागभट्ट-प्रथम को नागावलोक भी कहा जाता था।
- नागभट्ट-प्रथम ने अरब सेना को सिन्धु नदी के पश्चिम की ओर खदेड़ा था तथा अरबों पर विजय प्राप्त करने के उपलक्ष्य में इनको 'नारायण का अवतार' कहा गया था।
- इनके समय इनका राज्य उत्तर में मारवाड़ से दक्षिण में भड़ौच तक फैला था जिसमें लाट, जालोर, आबू व मालवा के कुछ भाग शामिल थे।
- इसे भीनमाल के गुर्जर-प्रतिहार वंश का वास्तविक संस्थापक माना जाता है।
- नागभट्ट-प्रथम को ग्वालियर प्रशस्ति में 'नारायण' नाम से पुकारा गया है।
- नागभट्ट-प्रथम ने 'राम का द्वारपाल', 'मेघनाद के युद्ध का अवरोधक', 'इन्द्र के गर्व का नाशक' व 'नारायण की मूर्ति का प्रतीक' उपाधियाँ धारण की।
- नागभट्ट-प्रथम के समय मण्डोर के प्रतिहार इनके सामन्तों के रूप में शासन करते थे।
- नागभट्ट-प्रथम का दरबार 'नागावलोक का दरबार' कहलाता था।
- जालोर, अवन्ति, कन्नौज प्रतिहारों की नामावली नागभट्ट से प्रारंभ होती है।
- नागभट्ट-प्रथम के प्रमुख सामन्त गुहिल (बप्पा रावल - शक्तिशाली), चौहान, राठौड़, कलचूरि, चंदेल, चालुक्य, परमार थे।
- ग्वालियर प्रशस्ति में नागभट्ट-प्रथम को 'मलेच्छों का नाशक' तथा 'नारायण' कहा गया है।
- इनके शासनकाल में चीनी यात्री 'ह्वेनसांग' ने कुल 72 देशों की यात्रा की थी। उसने भीनमाल को 'पिलोमोली/भीलामाला' तथा गुर्जर राज्य को 'कु-चे-लो' कहा।

वत्सराज (783-795 ई.)

- इन्होंने 'रणहस्तिन' की उपाधि धारण की थी।
- इसे गुर्जर-प्रतिहार वंश का वास्तविक संस्थापक माना जाता है।
- वत्सराज के शासन काल में 778 ई. में 'उद्योतन सूरी' ने जालोर में 'कुवलयमाला' प्राकृत भाषा में और 783 ई. 'आचार्य जिनसेन सूरी' ने 'हरिवंश पुराण' ग्रन्थ की रचना की।
- ओसियां के जैन मंदिर प्रतिहार शासक वत्सराज के समय निर्मित हैं।
- वत्सराज शैव मत का अनुयायी था।
- वत्सराज ने कन्नौज के त्रिपक्षीय संघर्ष की शुरुआत की, जो 150 वर्ष तक चला।

नागभट्ट-द्वितीय (795-833 ई.)

- नागभट्ट-द्वितीय के कन्नौज विजय का वर्णन 'ग्वालियर अभिलेख' में मिलता है।
- ग्वालियर प्रशस्ति में इनको आन्ध्र, आनर्त, मालव, किरात, तुरुष्क, वत्स, मत्स्य आदि प्रदेशों का विजेता बताया गया है।
- इनके समय प्रतिहारों ने कन्नौज में शासन कार्य शुरू किया था।

- नागभट्ट-द्वितीय की माता का नाम 'सुंदरदेवी' था।
- वत्सराज की मृत्यु के बाद यह गुर्जर-प्रतिहारों का शासक बना।
- इन्होंने उज्जैन और कन्नौज को जीत लिया और कन्नौज को अपनी राजधानी बनाई।
- मान्यखेत के राष्ट्रकूट शासक गोविन्द-तृतीय ने नागभट्ट-द्वितीय को हराकर कन्नौज पर अधिकार कर लिया।
- गोविन्द-तृतीय के साम्राज्य विस्तार के बारे में इतिहासकारों ने लिखा है कि - "गोविन्द-तृतीय के छोड़े हिमालय से कन्याकुमारी तक बिना किसी शत्रु क्षेत्र में प्रवेश किए सीधे दौड़ सकते थे।"
- इनका दरबार भी "नागावलोक का दरबार" कहलाता था।
- मुसलमानों के विरुद्ध नागभट्ट-द्वितीय के संघर्ष का प्रमाण 'खुम्माण रासो' नामक ग्रन्थ से मिलता है।
- नागभट्ट-द्वितीय ने कन्नौज के आयुध वंश तथा बंगाल के पाल वंश को पराजित किया था, इसलिए इनको बुचकला अभिलेख में 'परमभट्टारक महाराजाधिराज परमेश्वर' कहा गया था।

मिहिरभोज (836-885 ई.)

- मिहिरभोज का शाब्दिक अर्थ 'सूर्य का प्रतीक' है।
- मिहिरभोज वैष्णव धर्म का अनुयायी था।
- इनका सर्वप्रथम अभिलेख 'वराह अभिलेख' है जिसकी तिथि 893 विक्रम संवत् (836 ई.) है।
- नागभट्ट-द्वितीय का उत्तराधिकारी भोज हुआ जो इतिहास में मिहिरभोज के नाम से विख्यात है।
- इनकी माता का नाम 'अप्पा देवी' था।
- मिहिरभोज वैष्णव धर्म का अनुयायी था।
- इनका सर्वप्रथम अभिलेख 'वराह अभिलेख' है जिसकी तिथि 893 विक्रम संवत् (836 ई.) है।
- मिहिरभोज को बंगाल के शासक धर्मपाल के पुत्र देवपाल ने पराजित किया।
- मिहिरभोज ने क्रमशः नारायणपाल व विग्रहपाल को बारी-बारी से हराया था।
- 851 ई. में अरब यात्री 'सुलेमान' ने भारत की यात्रा की थी।
- सुलेमान ने बताया कि मिहिरभोज मुसलमानों का सबसे बड़ा शत्रु था।
- कश्मीरी कवि 'कल्हण' ने अपने ग्रन्थ 'राजतरंगिणी' में मिहिरभोज के साम्राज्य का उल्लेख किया।
- मिहिरभोज द्वारा रचित ग्रन्थ 'शृंगार प्रकाश', 'युक्ति', 'कल्पतरु', 'राज मृगांक' हैं।
- ग्वालियर अभिलेख के अनुसार मिहिरभोज ने 'आदिवराह' तथा दौलतपुर अभिलेख के अनुसार 'प्रभास' की उपाधि धारण की।
- इनके चाँदी व ताँबे के सिक्कों पर इनकी 'आदिवराह' की उपाधि मिलती है।
- मिहिरभोज को दौलतपुर अभिलेख में प्रभास कहा गया है।
- स्कन्ध पुराण के अनुसार मिहिरभोज ने तीर्थ यात्रा करने के लिए अपने पुत्र महेन्द्रपाल को सिंहासन सौंपकर राजपाठ त्याग दिया था।

महेन्द्रपाल-प्रथम (885-910 ई.)

- इनकी माता का नाम 'चन्द्रा भट्टारिका देवी' था।
- महेन्द्रपाल का गुरु व दरबारी कवि राजशेखर था।
- इनके दरबारी राजकवि 'राजशेखर' ने इनको विद्वदशालभञ्जिका ग्रन्थ में 'निर्भय नरेंद्र', 'निर्भयराज', 'रघुकुल तिलक' व 'रघुकुल चूड़ामणि' की उपाधियाँ दी।
- राजशेखर ने 'कर्पूरमंजरी', 'काव्यमीमांसा', 'विद्वदशालभञ्जिका', 'बालभारत', 'प्रबंधकोष', 'बालरामायण', 'हरविलास' और 'भुवनकोष' आदि ग्रन्थों की रचना की।
- महेन्द्रपाल का शासन काठियावाड़ तक विस्तृत था।

महिपाल-प्रथम (914-943 ई.)

- राजशेखर ने इन्हें 'आर्यावर्त का महाराजाधिराज', 'रघुकुलमुक्तामणि' व 'रघुवंश-मुकुटमणि' की उपाधियाँ दी।
- राजशेखर का ग्रन्थ - 'प्रचंडपाण्डव' में महिपाल की विजयों का वर्णन मिलता है।
- इनके समय 915 ई. में अरब यात्री 'अल मसूदी' ने भारत की यात्रा की थी।
- अरब यात्री 'अल मसूदी' के अनुसार इसने उत्तर-पश्चिम में पंजाब के 'कुलूतों' और 'रनठों' को पराजित किया था।
- 'हड्डल अभिलेख' से प्रकट होता है कि उसका सामंत 'धरणिबराह' उसकी अधीनता में सौराष्ट्र पर शासन पर कर रहा था।
- महिपाल-प्रथम ने चन्देल शासक हर्ष की सहायता से पुनः उज्जैन पर अधिकार कर लिया था।

महेन्द्रपाल-द्वितीय

- महेन्द्रपाल-द्वितीय की माता का नाम प्रसाधना देवी था।
- महेन्द्रपाल-द्वितीय, महेन्द्रपाल-प्रथम का उत्तराधिकारी बना।
- महेन्द्रपाल-द्वितीय के पश्चात् प्रतिहार वंश के चार शासक हुए- देवपाल, विनायकपाल-द्वितीय, महिपाल-द्वितीय व विजयपाल।

महिपाल-द्वितीय

- महिपाल-द्वितीय का उल्लेख बयाना अभिलेख में मिलता है।
- बयाना अभिलेख में महिपाल-द्वितीय को 'महाराजाधिराज महिपाल देव' कहा गया है।

विजयपाल

- विजयपाल को राजौर अभिलेख में क्षितिपाल देव का पुत्र बताया गया है।

राज्यपाल (990-1019 ई.)

- विजयपाल का उत्तराधिकारी राज्यपाल हुआ था।
- इनके समय कन्नौज भारत का एक सुन्दर व समृद्ध शहर था, जहाँ पर 10,000 सुंदर मन्दिर थे।
- राज्यपाल ने कन्नौज की रक्षा हेतु कन्नौज के चारों ओर 7 किले बनवाए थे।
- जब 1018 ई. में गजनी के सुल्तान महमूद गजनवी ने कन्नौज पर आक्रमण किया, तब राज्यपाल भागकर जंगलों में चला गया था, इस कारण बुंदेलखंड के शासक 'विद्याधर चंदेल' ने राज्यपाल को कायर कहना प्रारंभ कर दिया था।

- इनके समय प्रतिहार वंश का शासन पुनः राजस्थान तक सिमट गया था।
- विद्याधर चंदेल ने राज्यपाल पर आक्रमण किया। इस दौरान राज्यपाल वीरगति को प्राप्त हुआ।

त्रिलोचनपाल (1019-1027 ई.)

- राज्यपाल का उत्तराधिकारी राज्यपाल का पुत्र त्रिलोचनपाल हुआ था।
- अलबरुनी के अनुसार इनकी राजधानी 'बारी' थी, जो रामगंगा और सरयू के संगम के निकट थी।
- इनके समय 1020 ई. में महमूद गजनवी ने कन्नौज पर आक्रमण किया और लूट-मार करके वापस गजनी चला गया।

यशपाल (1027-1036 ई.)

- यह गुर्जर-प्रतिहारों का अंतिम शासक था।
- कड़ा शिलालेख में यशपाल व उनके दान का वर्णन मिलता है।
- इसके बाद गुर्जर-प्रतिहारों ने सामंतों के रूप में कुछ समय तक कन्नौज पर शासन किया। तत्पश्चात् 'गहड़वाल वंश' ने भी कुछ समय तक (1094 ई.) कन्नौज पर शासन किया था।

अवन्ति/उज्जैन शाखा

- नागभट्ट प्रथम के समय दूसरी राजधानी के रूप में स्थापित।

कन्नौज शाखा

- नागभट्ट द्वितीय ने कन्नौज को जीतकर अपने राज्य की राजधानी बनाया।

चौहान राजवंश

- चौहान शब्द संस्कृत शब्द चाहमान का स्थानीय रूप है।
- हम्मीर महाकाव्य के अनुसार चौहानों का प्रारम्भिक शासन पुष्कर के आस-पास था।
- बिजौलिया शिलालेख के अनुसार चौहानों का प्रारम्भिक शासन सांभर के आस-पास क्षेत्र था जिसे शाकम्भरी या सपादलक्ष कहते थे, जिसकी राजधानी अहिच्छत्रपुर थी।

चौहानों की उत्पत्ति :-

- 'पृथ्वीराज रासो' के रचयिता चन्दबरदाई तथा मुहणोत नैणसी एवं सूर्यमल्ल मीसण के अनुसार अग्निकुण्ड से उत्पन्न हुए हैं।
- नयनचंद्र सूरी के 'हम्मीर महाकाव्य' और जयानक के 'पृथ्वीराज विजय' के अनुसार चौहान 'सूर्यवंशी' थे।
- पंडित गौरीशंकर ओझा भी इस मत का समर्थन करते हैं।
- कर्नल टॉड और विलियम क्रुक ने चौहानों को विदेशी जाति का बताया है।
- बिजौलिया शिलालेख के आधार पर डॉ. दशरथ शर्मा का मानना है कि चौहानों के प्रारंभिक पूर्वज ऋषि वत्स के वंशज होने से 'वत्सगौत्रीय ब्राह्मण' है।
- 'क्याम खाँ रासो' के रचयिता जान-कवि ने इन्हें ब्राह्मण वंशीय बताया है।

शासन क्षेत्र

- चौहान जांगल देश (जो वर्तमान बीकानेर, जयपुर और उत्तरी मारवाड़ का क्षेत्र) के रहने वाले थे।
- चौहानों का प्रमुख राज्य सपादलक्ष (सांभर) था तथा इनकी राजधानी अहिच्छत्रपुर (नागौर) थी।

प्रमुख शाखाएँ

- सांभर के चौहानों की प्रमुख शाखाएँ- शाकम्भरी के चौहान, रणथम्भौर के चौहान, नाडोल के चौहान, जाबालिपुर के चौहान, सप्तपुर के चौहान, लाट के चौहान, धवलपुरी के चौहान, प्रतापगढ़ के चौहान।

शाकम्भरी के चौहान

- बिजौलिया शिलालेख व राजशेखर के प्रबंधकोष में चौहानों का संस्थापक वासुदेव चौहान व मूल स्थान सांभर या सपालदक्ष था।

वासुदेव चौहान

- बिजौलिया शिलालेख, 'सुर्जन चरित्र' और 'अर्ली चौहान डायनेस्टी' आदि साक्ष्यों के अनुसार शाकम्भरी के चौहान वंश का आदिपुरुष वासुदेव था जिसने 551 ई. के आस-पास राज्य स्थापित किया।
- बिजौलिया शिलालेख के अनुसार सांभर झील का निर्माण वासुदेव ने करवाया था।
- वासुदेव ने सर्वप्रथम अपनी राजधानी अहिच्छत्रपुर (नागौर) को बनाई।

प्रमुख तथ्य :-

- अजयपाल ने सातवीं शताब्दी में सांभर नगर की स्थापना की थी।
- सिंहराज के भाई लक्ष्मण नाडोल में चौहान वंश की शाखा स्थापित की थी।
- सिंहराज का उत्तराधिकारी विग्रहराज-द्वितीय हुआ।

विग्रहराज-द्वितीय

- 973 ई. के हर्षनाथ के अभिलेख से विग्रहराज के शासन काल के बारे में जानकारी मिलती है।
- हर्षनाथ लेख में विग्रहराज-द्वितीय की विजयों का उल्लेख मिलता है।
- हर्षनाथ लेख के अनुसार यह प्रारंभिक चौहानों का सबसे प्रतापी शासक था।
- विग्रहराज-द्वितीय ने चालुक्य शासक मूलराज-प्रथम को पराजित किया तथा भड़ौच में अपनी कुलदेवी आशापुरा माता मंदिर का निर्माण करवाया था।
- पृथ्वीराज विजय नामक ग्रंथ के अनुसार गोविन्द-तृतीय की उपाधि वैरीघट्ट (शत्रुसंहारक) थी।
- फरिस्ता के अनुसार गोविन्द-तृतीय ने गजनी के शासक का मारवाड़ आक्रमण असफल किया था।

अजयराज (1105-1133 ई.)

- यह पृथ्वीराज-प्रथम का पुत्र था।
- अजयराज शैव धर्म का समर्थक था।
- इन्होंने 1113 ई. में अजयमेरु (अजमेर) नगर की स्थापना की।
- इन्होंने 'अजयप्रिय द्रम्म' नाम से चाँदी व ताँबे के सिक्के चलाए थे, इनकी कुछ मुद्राओं पर इनकी पत्नी सोमलेखा (सोमलवती) का नाम भी अंकित मिलता है।
- अजयराज ने मालवा के परमार शासक नरवर्मन व अन्हिलपाटन के चालुक्य शासक मूलराज द्वितीय को पराजित किया था।

अर्णोराज (आनाजी) (1133-1155 ई.)

- इन्होंने 'महाराजाधिराज', 'परमभट्टारक', 'परमेश्वर' की उपाधि धारण की।
- इन्होंने अजमेर में आनासागर झील का निर्माण करवाया था।
- अर्णोराज शैव धर्म का अनुयायी था।
- इन्होंने पुष्कर में वराह मंदिर का निर्माण करवाया था।
- इनके समय में 'देवबोध' और 'धर्मघोष' प्रकाण्ड विद्वान थे, जिनको उन्होंने सम्मानित किया था।
- अर्णोराज की हत्या 1155 ई. में इनके पुत्र जगदेव ने की थी।

विग्रहराज-चतुर्थ/बीसलदेव चौहान (1158-1163 ई.)

- इनके काल को चौहानों का 'स्वर्णयुग' माना जाता है।
- इन्होंने गजनी के शासन खुशरूशाह व दिल्ली के तोमर शासक तैवर को हराकर और दिल्ली को अपनी राजधानी बनाया।
- विग्रहराज-चतुर्थ दिल्ली पर अधिकार करने वाला प्रथम चौहान शासक था।
- इन्होंने संस्कृत भाषा में 'हरिकेली' नामक नाटक की रचना की थी।
- जयानक भट्ट ने विग्रहराज को 'कवि बान्धव' (कवि बंधु) की उपाधि प्रदान की।
- सोमदेव, बीसलदेव का दरबारी कवि था जिसने 'ललित विग्रहराज' नाटक की संस्कृत भाषा में रचना की।
- इन्होंने बीसलपुर नामक नगर (वर्तमान टोंक में) एवं बीसलपुर बाँध का निर्माण करवाया।
- इन्होंने अजमेर में 'संस्कृत विद्यालय (सरस्वती कंठाभरण)' की स्थापना की जिसे बाद में कुतुबुद्दीन ऐबक ने तोड़कर 'अढाई दिन का झोपड़ा/मस्जिद' बनवाई। इसकी जानकारी अढाई दिन के झोपड़े की सीढ़ियों में मिले 'दो पाषाण' अभिलेखों में मिलती है।

अढाई दिन का झोपड़ा

- विग्रहराज चतुर्थ ने अजमेर में कण्ठाभरण नामक संस्कृत पाठशाला का निर्माण करवाया जिसे शिहाबुद्दीन मुहम्मद गौरी के गुलाम कुतुबुद्दीन ऐबक (लाखबक्श) ने तुड़वाकर यहाँ मस्जिद का निर्माण करवाया तथा यहां फारसी अभिलेख लिखवाए राजस्थान में प्रथमतः फारसी अभिलेख यहीं मिलते हैं। इसे अढाई /ढाई दिन का झोपड़ा कहते हैं।
- अबु बकर ने अढाई दिन की इस मस्जिद का डिजाइन तैयार किया था।
- कर्नल जेम्स टॉड ने अढाई दिन के झोपड़े के लिए कहा है कि "मैंने राजस्थान में इतनी प्राचीन व सुरक्षित इमारत नहीं देखी"।
- यह राजस्थान की पहली मस्जिद है, इसे 16 खंभों का महल भी कहते हैं।

सोमेश्वर

- अर्णोराज व कांचन देवी का पुत्र सोमेश्वर चौहान, पृथ्वीराज द्वितीय की निसंतान मृत्यु होने पर शाकंभरी का शासक बना।
- सोमेश्वर चौहान शासक बनने से पूर्व गुजरात के जयसोम व कुमारपाल का दरबारी था।

- सोमेश्वर चौहान ने आबू के जैतसिंह की सहायता हेतु युद्ध में भाग लिया और गुजरात के चालुक्यवंशी शासक भीम द्वितीय ने सोमेश्वर की हत्या कर दी।
- दिल्ली के राजा और पृथ्वीराज चौहान के नाना महाराजा अनंगपाल द्वितीय थे जिन्होंने पृथ्वीराज चौहान को दिल्ली का प्रशासन सौंप दिया था।

पृथ्वीराज-तृतीय/पृथ्वीराज चौहान (1177-1192 ई.)

- पृथ्वीराज-तृतीय का जन्म 1166 ई. में गुजरात की राजधानी 'अहिलपाटन' में हुआ।
- अजमेर के चौहान वंश का यह अंतिम प्रतापी शासक था।
- इनके पिता का नाम सोमेश्वर व माता का नाम कर्पूरी देवी (कलचूर वंश की राजकुमारी) था।
- पृथ्वीराज-तृतीय ने 'रायपिथौरा', 'दलपुंगल' (विश्व विजेता) की उपाधियाँ धारण की थी।
- पृथ्वीराज-तृतीय के प्रधानमंत्री 'कदम्बवास' और सेनाध्यक्ष 'भुवनैकमल्ल' थे।
- 'तुमुल के युद्ध' (1182 ई.) में पृथ्वीराज ने मुहाबा के चंदेल शासक
- 'पृथ्वीराज रासो' के अनुसार 1184 ई. में पृथ्वीराज-तृतीय तथा चालुक्य नरेश भीमदेव-द्वितीय दोनों के मध्य आबू के परमार शासक सलख की पुत्री इच्छिनी से विवाह को लेकर विवाद हुआ था।
- कन्नौज के राजा जयचंद गहड़वाल के साथ इनके कटुतापूर्ण संबंध थे।
- जयचंद की पुत्री संयोगिता को स्वयंवर से उठाकर पृथ्वीराज अजमेर ले आया और उससे विवाह किया था।
- गौरी के आक्रमण के समय चालुक्यों को सहायता देने के विरुद्ध पृथ्वीराज तृतीय को परामर्श देने वाला मंत्री कदम्बवास था।

तराईन के युद्धों के प्रारंभिक स्रोत

- चंदबरदाई - पृथ्वीराज रासो
- हसन निजामी - ताज-उल-मासिर
- मिनहाज-उस-सिराज - तबकात-ए-नासिरी

तराईन का प्रथम युद्ध / तारावड़ी (कर्नाल, हरियाणा 1191 ई.)

- यह युद्ध पृथ्वीराज-तृतीय और मुहम्मद गौरी (शिहाबुद्दीन मुहम्मद गौरी) के मध्य हुआ, जिसमें पृथ्वीराज-तृतीय ने मुहम्मद गौरी को पराजित किया था।
- इस युद्ध में पृथ्वीराज का सेनापति 'चामुण्डराय' था।

तराईन का द्वितीय युद्ध (1192 ई.)

- हसन निजामी के अनुसार सुल्तान जब लाहौर पहुँचा तो उसने एक दूत किवान-उल-मुल्क को पृथ्वीराज के पास भेजा कि पृथ्वीराज उसकी अधीनता स्वीकार कर लें। प्रत्युत्तर में पृथ्वीराज ने उसे गज़नी लौटने की सलाह दी।
- इस युद्ध में पृथ्वीराज व इनके सेनापति 'गोविन्दराज तोमर' और 'समरसिंह' लड़े थे।
- इस युद्ध में पृथ्वीराज की पराजय हुई थी।
- मुहम्मद गौरी ने पृथ्वीराज-तृतीय को सिरसा के पास बंदी बना लिया और अपने साथ गजनी ले गया।



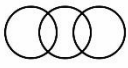
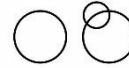
विगत वर्ष के प्रश्न-पत्र



1

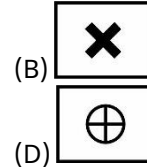
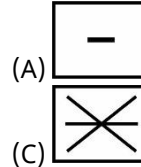
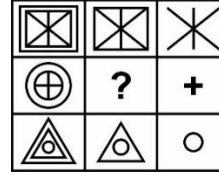
BSTC प्रश्न पत्र - 2024

भाग - अ (मानसिक योग्यता)

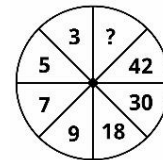
- 'जहाज' संबंधित है 'कप्तान' से, उसी प्रकार जैसे 'समाचार पत्र' संबंधित है से।
(A) सम्पादक (B) लेखक
(C) पाठक (D) प्रकाशक [A]
- एक निश्चित कूट भाषा में-
CHALK को कूटबद्ध किया गया है 38132
DUSTER को कूटबद्ध किया गया है 431259
उसी कूट भाषा में 'BOARD' को कूटबद्ध किया जायेगा -
(A) 25194 (B) 15149
(C) 86491 (D) 26194 [D]
- श्रृंखला में अगली संख्या ज्ञात कीजिए-
57, 63, 71, 81, 93,
(A) 101 (B) -107
(C) 98 (D) 215 [B]
- आरती की माँ, वरुण की बहन की बेटी है। वरुण की माँ, आरती की माँ से कैसे संबंधित है?
(A) नानी (B) माँ
(C) बेटी (D) बहन [A]
- रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए -
जूता : चमड़ा :: रबर : ?
(A) लेटेक्स (B) प्लास्टिक
(C) पॉलीथीन (D) चप्पल [A]
- निम्नलिखित में से कौनसा वेन आरेख (Venn diagram) पुरुषों, महिलाओं और शिक्षकों के मध्य सही संबंध को दर्शाता है?
(A)  (B) 
(C)  (D)  [B]
- निम्नलिखित श्रृंखला में लुप्त अक्षरों को ज्ञात कीजिए -
abcde, bcdea,, deabc
(A) dcbae (B) cdeab
(C) abced (D) cedba [B]
- निम्न में से सबसे बड़ी संख्या कौन-सी है?
(A) $\frac{15}{23}$ (B) $\frac{2}{7}$
(C) $\frac{19}{21}$ (D) $\frac{8}{13}$ [C]
- 31 दिनों वाले एक महीने में, तीसरा गुरुवार 16 तारीख को पड़ता है। महीने का आखिरी दिन कौनसा होगा?
(A) पांचवा शुक्रवार (B) चौथा बुधवार
(C) चौथा शनिवार (D) पांचवा गुरुवार [A]
- दिये गये संयोजन की जल-छवि से मेल खाता हुआ विकल्प चुनिये।
RAJ589D8
(A) RAVL586D8 (B) RAJ286D8
(C) KAL589D8 (D) KVL286D8 [D]

- ज्ञात कीजिये कि कौन-सी उत्तर आकृति, आकृति मैट्रिक्स को पूर्ण करती है?

आकृति मैट्रिक्स -

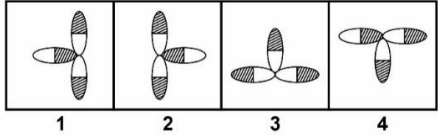


- निम्नलिखित शब्दों को शब्दकोष के अनुसार अवरोही (Descending) क्रम में व्यवस्थित करें -
(i) Celandine (ii) Cellular
(iii) Ceasefire (iv) Cecropia
(v) Celibacy
(A) (iii), (iv), (i), (v), (ii)
(B) (ii), (v), (i), (iv), (iii)
(C) (ii), (i), (v), (iii), (iv)
(D) (iv), (iii), (v), (i), (ii) [B]
- यदि फुटबॉल को हॉकी, हॉकी को बास्केटबॉल, बास्केटबॉल को क्रिकेट तथा क्रिकेट को कबड्डी कहा जाता है, तो मेजर ध्यानचन्द ने कौन-सा खेल खेला?
(A) हॉकी (B) कबड्डी
(C) फुटबॉल (D) बास्केटबॉल [D]
- साधारण ब्याज की गणना करें, यदि मूलधन 5000 ₹, ब्याज दर 18% वार्षिक तथा समयावधि 4 वर्ष है।
(A) 3,600 ₹ (B) 3,200 ₹
(C) 2,250 ₹ (D) 11,111 ₹ [A]
- एक घड़ी में घंटे की सुई और मिनट की सुई के बीच का कोण ज्ञात करें जब समय 4:10 हो।
(A) 125° (B) 130°
(C) 65° (D) 45° [C]
- निम्नलिखित में से कौन-सा अधिवर्ष (Leap year) है?
(A) 1800 (B) 2003
(C) 2016 (D) 1997 [C]
- निम्नलिखित में से कौन-सी संख्या दी गई आकृति में प्रश्न चिह्न के स्थान पर आयेगी?
(A) 63 (B) 54
(C) 12 (D) 24 [B]



- वह आकृति ज्ञात कीजिये जो अन्य सभी आकृतियों से भिन्न है।
(i)  (ii)  (iii)  (iv) 
(A) (iv) (B) (i)
(C) (ii) (D) (iii) [B]

19. पिता की आयु उसके पुत्र की आयु की तीन गुनी है। 5 वर्ष बाद पिता की आयु का दो गुणा पुत्र की आयु का पाँच गुणा होगा। पिता और पुत्र की वर्तमान आयु है -
 (A) 30 वर्ष, 10 वर्ष (B) 45 वर्ष, 15 वर्ष
 (C) 42 वर्ष, 14 वर्ष (D) 36 वर्ष, 12 वर्ष [B]
20. R का घर M के घर के ठीक सामने है। R उत्तर-पूर्व की ओर जाता है और M के घर पहुंचता है। यदि M को R के घर जाना है, तो M को किस दिशा में जाना चाहिये?
 (A) दक्षिण-पश्चिम (B) उत्तर-पश्चिम
 (C) दक्षिण-पूर्व (D) उत्तर-पूर्व [A]
21. एक आयताकार (Rectangular) मैदान की एक भुजा 16 मी. है और इसका एक विकर्ण (Diagonal) 20 मी. है। मैदान का क्षेत्रफल ज्ञात कीजिये।
 (A) 188 मी.² (B) 196 मी.²
 (C) 192 मी.² (D) 200 मी.² [C]
22. श्रृंखला में विलुप्त संख्या ज्ञात कीजिए -
 12, 12, 24, 72, 288,?
 (A) 1440 (B) 1326
 (C) 1456 (D) 1235 [A]
23. श्रृंखला को देखें -
 $2, 1, \left(\frac{1}{2}\right), \left(\frac{1}{4}\right), \dots$?
 अगली संख्या कौन-सी आनी चाहिये?
 (A) $\left(\frac{1}{2}\right)$ (B) $\left(\frac{1}{8}\right)$
 (C) $\left(\frac{2}{8}\right)$ (D) $\left(\frac{1}{16}\right)$ [D]
24. नीचे दिये गये शब्दों को उनके उचित क्रम में व्यवस्थित कीजिए-
 (a) सुबह (b) चेहरा धोना
 (c) दाँत साफ करना (d) स्नान करना
 (A) a, b, d, c (B) d, b, a, c
 (C) a, c, b, d (D) a, b, c, d [D]
25. यदि एक निश्चित कूट भाषा में, 'NAME' को 'MZLD' लिखा जाता है, तो उस भाषा में 'PEON' को कैसे कूटबद्ध किया जायेगा?
 (A) ODNM (B) ODMN
 (C) ONDM (D) OMND [A]
26. निश्चित कोड में 'TIGER' को 'QDFHS' लिखा जाता है। उस कोड में 'FISH' को कैसे लिखा जायेगा?
 (A) GERH (B) GRHE
 (C) GEHR (D) GHRE [B]
27. रिक्त स्थान ज्ञात कीजिए-
 P21 : J28 :: G19 :?
 (A) A20 (B) A22
 (C) A24 (D) A26 [D]
28. कौन-सा शब्द दूसरों से सम्बन्धित नहीं है?
 (A) इंच (B) औंस
 (C) सेन्टीमीटर (D) गज [B]
29. एक घड़ी अपराह्न 3:30 बजे का समय दिखाती है। यदि मिनट की सुई हर घंटे 2 मिनट आगे बढ़ती है, तो सुबह 4 बजे तक घड़ी कितने मिनट आगे बढ़ जायेगी?
 (A) 23 मिनट (B) 24 मिनट
 (C) 25 मिनट (D) 26 मिनट [C]

30. कथन - क्या एकल परिवार संयुक्त परिवारों से बेहतर हैं?
 तर्क - (I) नहीं, संयुक्त परिवार सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं और काम का बोझ भी कम करते हैं।
 (II) हाँ, एकल परिवार अधिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करते हैं।
 (A) केवल तर्क I मजबूत है।
 (B) केवल तर्क II मजबूत है।
 (C) न तो I और ना ही II मजबूत है।
 (D) तर्क I और II दोनों मजबूत हैं। [C]
31. विषम आकृति ज्ञात करें -

 (A) 1 (B) 2
 (C) 3 (D) 4 [C]
32. निम्नलिखित शब्दों को एक शब्दकोष की वर्णमाला में व्यवस्थित करें-
 (i) Nomenclature (ii) Normal
 (iii) Nostril (iv) Nobble
 (A) (iv), (iii), (ii), (i) (B) (iv), (i), (ii), (iii)
 (C) (iv), (ii), (iii), (i) (D) (iv), (ii), (i), (iii) [B]
33. चार वर्ष पहले, अमन और भावी की औसत आयु 18 वर्ष थी। वर्तमान में अमन, भावी और चित्रा की औसत आयु 24 वर्ष है। 8 वर्ष बाद चित्रा की आयु क्या होगी?
 (A) 30 वर्ष (B) 32 वर्ष
 (C) 28 वर्ष (D) 25 वर्ष [*]
34. यदि सप्ताह के 6 दिन के लिये 10 श्रमिकों की मजदूरी 1200 ₹ है, तो चार श्रमिकों की एक दिन की मजदूरी क्या होगी?
 (A) 40 ₹ (B) 32 ₹
 (C) 80 ₹ (D) 24 ₹ [C]
35. निम्न समीकरण (Equation) में दोनों 'X' के स्थान पर क्या आना चाहिये?

$$\frac{x}{\sqrt{128}} = \frac{\sqrt{162}}{x}$$

 (A) 12 (B) 14
 (C) 144 (D) 196 [C]
36. निम्नलिखित चार में से, कोई तीन अंक समान हैं किन्तु एक अंक समान नहीं है। कौन-सा अंक समान नहीं है?
 (A) 49 (B) 331
 (C) 25 (D) 81 [B]
37. निम्नलिखित श्रृंखला को पूर्ण कीजिये -
 53, 53, 40, 40, 27, 27,?
 (A) 14 (B) 12
 (C) 13 (D) 11 [A]
38. रिक्त स्थान की पूर्ति करिये-
 चन्द्रमा : सेटेलाइट :: पृथ्वी : ?
 (A) सूर्य (B) ग्रह
 (C) सौरमंडल (D) तारा [B]
39. निम्नलिखित में से कौन-सा दूसरों से संबंधित नहीं है?
 (A) राजस्थान (B) पंजाब
 (C) बिहार (D) दिल्ली [D]
40. निम्न विकल्पों में से दी गई शब्द-श्रृंखला के अगले पद को लिखिये-
 CXDW, EVFR, GTHM, IRJH,?
 (A) LPKC (B) KPLB
 (C) KPLC (D) LPKB [C]

41. निम्न में से कौन-सा विकल्प 4 के समूह में शामिल नहीं होगा?
(A) नारंगी (B) हरा
(C) लाल (D) रंग [D]
42. राहुल और सोहन क्रमशः 5 और 9 वर्ष की आयु के हैं। कितने वर्ष बाद उनकी आयु का योग 24 होगा?
(A) 9 वर्ष (B) 7 वर्ष
(C) 5 वर्ष (D) 3 वर्ष [C]
43. सुरेन्द्र सीधा खड़ा होकर सूर्योदय को देख रहा है। बताईये उसका दाहिना हाथ किस दिशा में होगा?
(A) पूर्व (B) उत्तर
(C) पश्चिम (D) दक्षिण [D]
44. अंग्रेज़ी वर्णमाला में कौन-सा अक्षर आरम्भ से 13वें स्थान और अन्त से 14वें स्थान पर आता है?
(A) P (B) H
(C) M (D) C [C]
45. गीता, सीता से बड़ी है। शीला, गीता से बड़ी है। मालती, शीला और सीता से बड़ी है। इन सभी में सबसे बड़ी कौन है?
(A) मालती (B) शीला
(C) गीता (D) सीता [A]
46. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए -
व्यक्ति : जीवनी : : राष्ट्र :?
(A) नेता (B) लोग
(C) भूगोल (D) इतिहास [D]
47. निम्न अंग्रेज़ी शब्दों को वर्णानुक्रम में व्यवस्थित करें और अन्त में आने वाले शब्द को चुनें-
(A) Actuate (B) Accumulate
(C) Acquaint (D) Achieve [A]
48. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए -
बन्दूक : गोली : : चिमनी :?
(A) घर (B) मैदान
(C) छत (D) धुआ [D]
49. नीचे दिये गये शब्दों को सार्थक क्रम में व्यवस्थित कीजिए-
(1) प्रस्तुति (2) अनुशंसा
(3) आगमन (4) चर्चा
(5) परिचय
(A) 5, 3, 4, 1, 2 (B) 3, 5, 4, 2, 1
(C) 3, 5, 1, 4, 2 (D) 5, 3, 1, 2, 4 [B]
50. विषम का चयन कीजिए -
(A) ईमानदार (B) उचित
(C) न्यायसंगत (D) पक्षपातपूर्ण [D]
- भाग-ब (राजस्थान की सामान्य जानकारी)**
51. 'पृथ्वीराज रासो' किसके द्वारा लिखा गया?
(A) भारमल (B) चन्दबरदाई
(C) नरपति नाल्हा (D) जोधराज [B]
52. स्वतन्त्रता आन्दोलन में राजस्थान के शहीदों के संदर्भ में निम्नांकित में से कौन सुमेलित नहीं है?
(A) सागरमल गोपा - जैसलमेर
(B) नानक जी भील - डूंगरपुर
(C) प्रताप सिंह बारहठ - शाहपुरा
(D) रूपा जी धाकड़ - बेगू [B]
53. 'सम्प सभा' की स्थापना निम्नांकित में से किसने की?
(A) मोतीलाल तेजावत (B) बालेश्वर दयाल
(C) सुर्जी भगत (D) गोविन्द गुरु गिरि [D]
54. राजस्थान में 1857 के विद्रोह का आरम्भ कहाँ हुआ?
(A) नसीराबाद (B) कोटा
(C) देवली (D) नीमच [A]
55. 'वीर विनोद' ग्रन्थ के अनुसार प्रसिद्ध 'चित्तौड़ किले' का निर्माण किसके द्वारा करवाया गया था?
(A) चित्रांगद (B) बप्पा रावल
(C) हम्मीर (D) राणा सांगा [A]
56. निम्नांकित में से किसे 'मिर्ज़ा राजा' के रूप में जाना जाता है?
(A) मान सिंह (B) जय सिंह
(C) भगवंत दास (D) भारमल [B]
57. राजस्थान के निम्नांकित में से किस जिले में प्रसिद्ध कौलवी की गुफाएँ स्थित हैं?
(A) हनुमानगढ़ (B) भरतपुर
(C) जालौर (D) झालावाड़ [D]
58. निम्नांकित में से कौन महात्मा गाँधी के पाँचवें पुत्र के रूप में प्रसिद्ध है?
(A) हीरालाल शास्त्री (B) जमनालाल बजाज
(C) माणिक्य लाल वर्मा (D) विजय सिंह पथिक [B]
59. भारत के संविधान के अनुच्छेद 356 के अन्तर्गत राजस्थान में कितनी बार राष्ट्रपति शासन लागू किया गया है?
(A) एक (B) दो
(C) तीन (D) चार [D]
60. भारत के संविधान के अनुसार, राजस्थान मंत्रिपरिषद में मुख्यमन्त्री सहित अधिकतम सदस्य कितने हो सकते हैं?
(A) 60 (B) 12
(C) 30 (D) 20 [C]
61. निम्नांकित में से किस पद का निर्वहन भैरोंसिंह शेखावत ने नहीं किया?
(A) भारत के उपराष्ट्रपति
(B) राजस्थान के मुख्यमंत्री
(C) राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष
(D) राजस्थान विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर [C]
62. 'बम नृत्य' निकटता से किन जिलों से सम्बन्धित है?
(A) जालौर तथा सिरौही (B) बाँसवाड़ा तथा डूंगरपुर
(C) कोटा तथा बून्दी (D) अलवर तथा भरतपुर [D]
63. निम्नांकित में से किस हिन्दी माह में गणगौर मनाई जाती है?
(A) फाल्गुन (B) चैत्र
(C) श्रावण (D) भाद्रपद [B]
64. पुस्तक और उसके लेखक के निम्नांकित युग्म में से कौन-सा सुमेलित नहीं है?
(A) हरिकेलि - विग्रहराज
(B) गोरा बादल की चौपाई - हेमरत्न सूरी
(C) रसिक प्रिया - महाराणा कुम्भा
(D) 'आनन्द विलास' - हरिभूषण [D]
65. निम्नांकित में से किस कला विद्या में, अपने अमूल्य योगदान के लिये श्रीलाल जोशी को 'पद्मश्री पुरस्कार' से सम्मानित किया गया?
(A) राजस्थान का लोकनृत्य
(B) फड़ पेंटिंग
(C) बहुरूपिया
(D) राजस्थान का लोक संगीत [B]
66. निम्नांकित में से कौन-सा 'दाबू प्रिंट' के लिये प्रसिद्ध है?
(A) सांगानेर (जयपुर) (B) प्रतापगढ़
(C) अकोला (चित्तौड़गढ़) (D) लाखेरी (बूंदी) [C]
67. निम्नांकित में से किस मंदिर को 'चूहों के मंदिर' के रूप में जाना जाता है?
(A) करणी माता मंदिर (B) बेणेश्वर मंदिर
(C) केला देवी मंदिर (D) जीण माता मंदिर [A]

68. राजस्थान में सबसे पहला सीमेंट कारखाना कहाँ स्थापित किया गया?
 (A) निम्बाहेड़ा (B) गोटन
 (C) लाखेरी (D) चित्तौड़गढ़ [C]
69. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान की महिला साक्षरता दर क्या है?
 (A) 60.41% (B) 75.70%
 (C) 52.12% (D) 43.85% [C]
70. भारत के बाजरा उत्पादक राज्यों की सूची में राजस्थान का कौनसा स्थान है?
 (A) पहला (B) दूसरा
 (C) तीसरा (D) चौथा [A]
71. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान की कुल कार्यशील जनसंख्या का कितना प्रतिशत कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियों पर निर्भर है?
 (A) 24% (B) 42%
 (C) 90% (D) 62% [D]
72. राजस्थान के निम्नांकित जिलों में से किन में छप्पन का मैदान स्थित है?
 (A) कोटा - बून्दी (B) बून्दी - झालावाड़
 (C) कोटा - बाराँ (D) प्रतापगढ़ - बाँसवाड़ा [D]
73. निम्नांकित में से किस नदी का उद्गम राजस्थान से नहीं होता है?
 (A) बनास (B) बाणगंगा
 (C) काली सिंध (D) बांडी [C]
74. राजस्थान का कौन-सा भाग रेगिस्तान है?
 (A) उत्तरी (B) दक्षिणी
 (C) पश्चिमी (D) पूर्वी [C]
75. राजस्थान में उष्णकटिबंधीय वन कहाँ पाया जाता है?
 (A) कोटा - बूँदी (B) बाँसवाड़ा - डूंगरपुर
 (C) अलवर - भरतपुर (D) जोधपुर - जैसलमेर [*]
76. राजस्थान के निम्नांकित नृजातीय समूहों में से कौन मुख्यतः चरी नृत्य प्रस्तुत करता है?
 (A) गुर्जर (B) भील
 (C) कंजर (D) कालबेलिया [A]
77. राजस्थान में कितने प्रकार के खनिज उपलब्ध हैं?
 (A) 90 (B) 79
 (C) 61 (D) 52 [*]
78. निम्नांकित में से किस समाचार पत्र का सम्बन्ध विजय सिंह पथिक से नहीं था?
 (A) राजस्थान केसरी (B) नवीन राजस्थान
 (C) राजस्थान ज्योति (D) तरुण राजस्थान [C]
79. राजस्थान के किसान आन्दोलन के संदर्भ में निम्नांकित में से कौन-सा सुमेलित नहीं है?
 (A) साधु सीताराम दास - बिजौलिया किसान आन्दोलन
 (B) रामनारायण चौधरी - बेगूँ किसान आन्दोलन
 (C) भोजी लम्बरदार - घड़साना किसान आन्दोलन
 (D) चौधरी यासीन खान - मेव किसान आन्दोलन [C]
80. निम्नांकित में से किस स्थान से 1885 में अंग्रेज़ी साप्ताहिक पत्र 'राजस्थान टाइम्स' प्रकाशित होना शुरू हुआ?
 (A) जोधपुर (B) अजमेर
 (C) जयपुर (D) उदयपुर [B]
81. 'लॉगेवाला वॉर मेमोरियल' कहाँ विकसित किया गया है?
 (A) गंगानगर (B) बीकानेर
 (C) जैसलमेर (D) जयपुर [C]

82. बादल महल के बारे में निम्नांकित कथनों में से कौन-सा सही नहीं है?
 (A) बादल महल का निर्माण परेवा (लाजवर्त) पत्थर से हुआ है।
 (B) यह गैब सागर झील के किनारे पर स्थित है।
 (C) यह राजपूत और मुगल स्थापत्य कला का मिश्रण है।
 (D) यह उदयपुर का शानदार महल है। [D]
83. निम्नांकित में से कौनसा किला 'कुंवारा किला' के नाम से भी जाना जाता है?
 (A) बाला किला (B) बदनोर किला
 (C) भटनेर किला (D) गागरोन किला [A]
84. किस शासक के समय प्रसिद्ध शिल्पी 'मंडन' का राजस्थान में आगमन हुआ था?
 (A) महाराणा कुम्भा (B) महाराणा सांगा
 (C) राजा मानसिंह (D) राणा हम्मीर सिंह [A]
85. 'राई बुढ़िया, खेला' पात्र का सम्बन्ध किससे है?
 (A) गैर (B) गवरी
 (C) भवई (D) गरबा [B]
86. निम्न में से कौन-सा युग्म राजस्थान की जलवायु के सम्बन्ध में सही नहीं है?
 (A) शुष्क जलवायु - भरतपुर, सवाई माधोपुर, धौलपुर
 (B) आर्द्र शुष्क जलवायु - बीकानेर, बाड़मेर, चूरू
 (C) उप आर्द्र जलवायु - जयपुर, अजमेर, सीकर
 (D) आर्द्र जलवायु - कोटा, उदयपुर, राजसमंद [*]
87. राजस्थान की पहली नहर सिंचाई परियोजना किसे माना जाता है?
 (A) गुड़गाँव नहर परियोजना
 (B) गंगा नहर परियोजना
 (C) इंदिरा गांधी नहर परियोजना
 (D) भाखड़ा नांगल नहर परियोजना [B]
88. राजस्थान में अरावली पर्वत श्रृंखलाओं का विस्तार है -
 (A) दक्षिण - पूर्व से उत्तर - पश्चिम की ओर
 (B) उत्तर - पूर्व से दक्षिण - पश्चिम की ओर
 (C) दक्षिण - मध्य से उत्तर - मध्य की ओर
 (D) उत्तर - पश्चिम से दक्षिण - पूर्व की ओर [B]
89. राजस्थान और मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित रेलवे स्टेशन का नाम है-
 (A) नवापुर (B) मुनाबाओ
 (C) झालावाड़ रोड (D) भवानी मंडी [D]
90. किस लोक देवता को राजस्थान में 'शेषनाग' का अवतार कहा जाता है?
 (A) तेजा जी (B) गोगा जी
 (C) कल्ला जी (D) रामदेव जी [C]
91. राजस्थान में, अनुसूचित जाति के लिये लोकसभा और राज्य विधानसभा में आरक्षित स्थानों की क्रमशः संख्या है-
 (A) 4 और 34 (B) 3 और 25
 (C) 4 और 25 (D) 3 और 34 [A]
92. 'रानी दादी सती माता' का मंदिर किस जिले में स्थित है?
 (A) झुंझुनू (B) बाराँ
 (C) जयपुर (D) नागौर [A]
93. किस वर्ष राजस्थान में प्रथम सहकारी कृषि बैंक की स्थापना हुई?
 (A) 1919 (B) 1952
 (C) 1947 (D) 1904 [D]
94. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में पशुधन का कितना प्रतिशत है?
 (A) 19.17 (B) 14.29
 (C) 11.26 (D) 8.27 [*]

95. निम्न में से किस स्थान पर अग्नेजों की सैनिक छावनी नहीं थी?
(A) नीमच (B) देवली
(C) नसीराबाद (D) शाहपुरा [D]
96. राजस्थान में 'सामेला' प्रथा का सम्बन्ध है -
(A) जन्म से (B) मृत्यु से
(C) तलाक से (D) विवाह से [D]
97. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में तीसरे सबसे ज्यादा धर्मावलम्बी हैं-
(A) जैन (B) सिक्ख
(C) मुस्लिम (D) ईसाई [B]
98. निम्न में से कौन-सा युग्म सही नहीं है?
(A) अलवर - मेवाती
(B) झुंझनू - शेखावाटी
(C) भरतपुर - ढूंढाडी
(D) झालावाड़ - हाड़ौती [C]
99. महाकवि माघ द्वारा रचित 'शिशुपाल वध' किस शताब्दी की रचना है?
(A) 8वीं (B) 6वीं
(C) 11वीं (D) 12वीं [A]
100. लोकायुक्त को प्रभावी बनाने के लिये 2014 में किसकी अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया?
(A) ज्ञान प्रकाश (B) बलवंत राय मेहता
(C) प्रताप कृष्ण लोहरा (D) नरपत मल लोढ़ा [D]

भाग-स (शिक्षण अभिक्षमता एवं अभिवृत्ति)

101. अनुभव पर आधारित व्यवहार में अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन को कहा जाता है -
(A) विकास (B) परिपक्वता
(C) वृद्धि (D) अधिगम [D]
102. महात्मा गांधी ने कौन-सी शिक्षा पद्धति को प्रस्तावित किया?
(A) बुनियादी शिक्षा (B) मोंटेसरी शिक्षा
(C) स्थानीय शिक्षा (D) भारतीय शिक्षा [A]
103. अधिगम के बारे में कौन-सा सही नहीं है?
(A) अधिगम एक सतत प्रक्रिया है।
(B) अधिगम उद्देश्यपूर्ण है।
(C) अधिगम परिपक्वता है।
(D) अधिगम परिवर्तन है। [C]
104. निम्नलिखित में से कौन-सा सतत एवं व्यापक मूल्यांकन प्रणाली (Continuous and Comprehensive Evaluation System) के मूल्यांकन में सम्मिलित नहीं है?
(A) परिवार कार्यक्षेत्र (B) संज्ञानात्मक कार्यक्षेत्र
(C) भावात्मक कार्यक्षेत्र (D) मनोशारीरिक कार्यक्षेत्र [A]
105. निम्नलिखित में से कौन-सा संप्रेषण में बाधक है?
(A) सांस्कृतिक समानता (B) अधिक दुश्चिंता
(C) स्पष्टता (D) संक्षिप्तता [B]
106. किस प्रकार का नेतृत्व विद्यार्थियों के समुचित वृद्धि तथा विकास में बहुत अनुकूल और सहायक हो सकता है?
(A) सत्तावादी
(B) नौकरशाही
(C) लोकतांत्रिक
(D) ट्रांसैक्शनल (प्रबंधकीय) [C]
107. सृजनात्मकता संबंधित है-
(A) अभिसारी (Convergent) चिंतन से
(B) अपसारी (Divergent) चिंतन से
(C) एल्गोरिदमिक (Algorithmic) चिंतन से
(D) क्रमबद्ध (Systematic) चिंतन से [B]

108. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सृजनशील व्यक्तियों के बारे में गलत है?
(A) सृजनशील व्यक्तियों का ज्ञान व्यापक होता है।
(B) सृजनशील व्यक्तियों में स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता होती है।
(C) सृजनशील व्यक्ति चिंतन तथा कार्यों में लचीलापन दिखाते हैं।
(D) सृजनशील व्यक्ति अधिकतर पारंपरिक होते हैं और अस्पष्ट विचारों में रुचि नहीं दिखाते हैं। [D]
109. एक अध्यापक की सर्वाधिक रुचि होनी चाहिए-
(A) विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास में
(B) स्वविकास में
(C) सामाजिक विकास में
(D) केवल पढ़ाने में [A]
110. एक प्रभावी नेता टीम की त्रुटि होने पर -
(A) जिम्मेदारी स्वयं पर लेता है।
(B) सम्पूर्ण टीम को जिम्मेदार बताता है।
(C) बाहरी कारक को जिम्मेदार बताता है।
(D) त्रुटि होना नहीं मानता है। [A]
111. निम्नलिखित में से कौन-सी मूल्यांकन विधि पक्षपातपूर्ण एवं व्यक्तिनिष्ठ हो सकती है?
(A) इकाई परीक्षण (Unit tests)
(B) अवलोकन (Observations)
(C) सूची (Inventories)
(D) उपलब्धि परीक्षण (Achievement tests) [D]
112. विद्यार्थियों में सहयोग की भावना बढ़ाने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा सबसे प्रभावशाली होगा?
(A) व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन
(B) गृहकार्य देना
(C) सहयोग पर पुस्तकें बताना
(D) समूह खेलों का आयोजन [D]
113. यदि एक विद्यार्थी देर से आता है, तो अध्यापक को चाहिए कि
(A) उसे घर भेज दें।
(B) कालांश पूर्ण होने के बाद कारण जानें।
(C) प्रधानाध्यापक को सूचित करें।
(D) देर से आने पर ध्यान न दें। [B]
114. नवीन, मौलिक एवं उपयुक्त विचारों या कार्यों को उत्पन्न करने की योग्यता संबंधित है-
(A) अधिगम से
(B) सृजनात्मकता से
(C) नेतृत्व से
(D) अनुमानी चिंतन से [B]
115. एक नेता को होना चाहिए-
(A) गतिशील
(B) कठोर
(C) कंजूस
(D) अस्पष्ट [A]
116. डब्ल्यू.एच.ओ. (WHO) द्वारा 'मूल जीवन कौशल' में किसे शामिल नहीं किया गया है?
(A) अंतर्वैयक्तिक संबंध कौशल
(B) गणितीय कौशल
(C) समस्या समाधान कौशल
(D) आत्म-जागरुकता [B]
117. टोरेस के अनुसार, सृजनात्मकता के आयाम हैं-
(A) मौलिकता, लचीलापन, धाराप्रवाहिता
(B) नवीनता, अभिप्रेरणा, लचीलापन
(C) मौलिकता, वांछनीयता, उपयोगिता
(D) नवीनता, उत्पादकता, अभिप्रेरणा [A]

“REET 2025: परीक्षा के लिए सर्वोत्तम पुस्तकें”



INSTAGRAM



FACEBOOK



YOUTUBE



TELEGRAM

सफलता के पथ पर सबसे तेज उभरता हुआ संस्थान

लक्ष्मी वलसेन™

Sector - 4, Main Road, Udaipur (Raj.)

M. 6376957258, 6376491126